महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2015-17) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन छात्रों ने बी. एड. द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया है, ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि बी एड. चतुर्थ सत्र के **सत्रीय कार्य लिखकर अध्ययन केंद्र पर दिनांक 30 अप्रैल 2017 तक** प्रस्तुत करें। बी. एड.**चतुर्थ सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं-

शिक्षा 041 – शिक्षा तकनीकी

शिक्षा 042 – शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

शिक्षा 043 – ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

शिक्षा 044 – पर्यावरण शिक्षा

शिक्षा 045 – जेंडर, विद्यालय और समाज

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखे।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : .....

पंजीयन संख्या: .....

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

मो. : .....

ई-मेल : .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक : .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A_4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों में केवल दायीं तरफ का ही प्रयोग करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बी.एड. (सत्र 2015-17) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 041

प्रश्न पत्र : शिक्षा तकनीकी

अंतिम तिथि : दिनांक **30 अप्रैल 2017** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सभी प्रश्नों, लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1 : सूक्ष्म शिक्षण मुख्य रूप से किस तकनीकी के अन्तर्गत आता है ?

(क) शिक्षा में तकनीकी (ग) अनुदेशन तकनीकी

(ख) शिक्षा की तकनीकी (घ) व्यवहार तकनीकी

2 : ओवर हैड प्रोजेक्टर में निम्न में से किस का प्रयोग करते है ?

(क) स्लाइड (ख) ट्रांसपेरेन्सी (ग) सी.डी. (घ) पेन ड्राइव

3 : निम्न में से कौन सा अभिक्रमित अनुदेशन का सिद्धान्तनहीं है ?

(क) स्वगति का सिद्धान्त (ख) लघुपदों का सिद्धान्त

(ख) सक्रिय अनुक्रिया का सिद्धान्त (घ) समय का सिद्धान्त

4 : अग्रिम संगठक प्रतिमान का प्रतिपादन किसने किया ?

(क) जीन प्याजे (ख) जे.एस. ब्रूनर (ग) डेविड आसुबेल (घ) राबर्ट बेल्स

5 : किस उपकरण से छात्र ज्यादा अच्छे से सीख पायेंगे ?

(क) रेडियों (ख) चार्ट (ग) टेलीविजन (घ) टेलीकांफ्रेंसिंग

लघु उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 200 से 300 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. आप अपने विषय को पढ़ाने में कौन से कठोर उपागमों का प्रयोग करेंगे ?

2. सम्प्रेषण में आने वाली विभिन्न बाधाओं कोस्पष्ट कीजिए ?

3. दूर शिक्षा की आवश्यकता किन छात्रों को ज्यादा होती हैं, स्पष्ट कीजिए ?

4. अभिक्रमित अनुदेशन सामग्रीरचना के पद लिखिए।

5. टोली शिक्षण पढ़ाने में किस प्रकार उपयोगी है, स्पष्ट कीजिए ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 800 से 1000 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. शिक्षण तकनीकी क्या हैं ? विस्तार से समझाइयें।

2. शिक्षा में जन संचार के द्वारा सम्प्रेषण के माध्यम कौन-कौन से है ? प्रत्येक का वर्णन कीजिए।

3. रेखीय अभिक्रमण क्या हैं ? उसके कौन-कौन से पद होते है ? उसकी विशेषताएँ एवं सीमाएँ लिखियें।

4. शिक्षण कौशल विकास में सूक्ष्म शिक्षण की क्या उपयोगिता है ? विस्तार से समझाइयें।

5. अन्त: क्रिया विश्लेषण प्रविधि को स्पष्ट कीजिए ?

बी.एड. (सत्र 2015-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 042

प्रश्न पत्र : शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

अंतिम तिथि : दिनांक **30 अप्रैल 2017** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सभी प्रश्नों, लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05 =10)

1 : भारत को निर्देशन से परिचित कराने का श्रेय किसको है ?

(क) सोहन लाल (ख) जी.एस. बोस (ग) बाटली बॉय (घ) नरेन्द्र देव

2 : बुद्धिलब्धि ज्ञात करने का सूत्रकौन सा है ?

(क) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}} \times 1000$ (ग) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$

(ख) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{100 \times \text{मानसिक आयु}}$ (घ) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 1000$

3 : कल्पनापूर्ण चयन अवस्था की आयु कितनी है ?

(क) 10 वर्ष तक (ख) 11 से 17 वर्ष तक (ग) 17 से 22 वर्ष तक (घ) 22 से 30 वर्ष तक

4 : मैस्लो का आवश्यकता अनुक्रम सिद्धान्त में आवश्यकताओं कीकितनी श्रेणियां हैं?

(क) 8 (ख) 6 (ग) 5 (घ) 12

5 : इलाहाबाद में मनोविज्ञान ब्यूरो की स्थापना किस सन् में हुई?

(क) 1948 (ख) 1950 (ग) 1956 (घ) 1947

लघु उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 200 से 300 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. निर्देशन के क्या कार्य हैं ?

2. व्यवसायिक समायोजन से आप क्या समझते हैं ?

3. व्यक्तिगत निर्देशन क्या है ?

4. निर्देशन एवं परामर्श में अन्तर स्पष्ट करें।

5. परामर्श से आप क्या समझते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 800 से 1000 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. निर्देशन के क्या उद्देश्य हैं ? एक प्राथमिक विद्यालय इन उद्देश्यों को किस प्रकार प्राप्त कर सकता है ?

2. व्यवसाय के चयन और उसके विकास के लिए किन-किन बातों की आवश्यकता होती है ? व्याख्या कीजिए।

3. एक शिक्षक के रूप में आप समायोजन की व्याख्या कैसे करेंगे ?

4. परामर्श के विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

5. विद्यालय में परामर्श दाता के उत्तरदायित्वों एवं भूमिका पर अपने विचारप्रस्तुत करें।

बी.एड. (सत्र 2015-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 043

प्रश्न पत्र : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

अंतिम तिथि : दिनांक **30 अप्रैल 2017** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सभी प्रश्नों, लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न
(सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05 =10)

1. अपने कार्य की सांवेगिक मानसिकता का क्या नाम है ?

1) ज्ञान 2) अभिवृति 3) कौशल 4) व्यवहार

2. अनुच्छेद 15 (1) के द्वारा किस भेदभाव को समाप्त किया गया ?

1) जाति भेद 2) लिंग भेद 3) भाषा भेद 4) रंग भेद

3. पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या के विषय में क्यासही है ?

1) दोनो समान है 2) पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम का एक भाग है।

3) पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या का एक भाग है। 4) दोनो में कोई समानता नहीं है।

4. हायर सेण्डरी की कक्षाएं सप्ताह में कितने घन्टे होनी चाहिए ?

1) 16 घन्टे 2) 20 घन्टे 3) 30 घन्टे 4) 36 घन्टे

5. "मस्तिष्क, हृदय व हाथों द्वारा अधिगम" वाक्य किस शिक्षा शास्त्री ने कहा था ?

1) पेस्टॉलॉजी (2) प्लेटो 3) गांधीजी 4) रवीन्द्रनाथ टैगोर

लघु उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 200 से 300 शब्दों में उत्तर दीजिए)(अंक 05 × 03 =15)

1. अध्यापन एवं प्रशिक्षण में क्याअन्तर है?

2. ज्ञान का स्वरूप समझाइयें?

3. संस्कृति में परिवर्तन किस प्रकार आता है।

4. राष्ट्रवाद क्या है?

5. समय-सारणी की आवश्यकता क्यों होती है ? स्पष्ट कीजिए |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 800 से 1000 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 15 × 03 =45)

1. प्लेटो ने किस प्रकार खोज व संवाद विधि को प्रकट किया स्पष्ट कीजिये।

2. औद्योगीकरण की प्रक्रिया क्या है ? अपने शब्दों में वर्णन कीजिये।

3. श्री. जे. कृष्णमूर्ति के अनुसार सामाजिकसदभाव का विकास किस प्रकार हो सकता है ?

4. पाठ्यक्रम क्या है ? पाठ्यक्रम निर्माण की विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए।

5. समय-सारणी चक्र बनाने के सिद्धान्त लिखिए |

बी.एड.- चतुर्थ सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 17

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 044

प्रश्न पत्र : पर्यावरण शिक्षा

अंतिम तिथि : दिनांक **30 अप्रैल 2017** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सभी प्रश्नों, लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1 : पर्यावरण शब्द किन दो शब्दों से मिलकर बना है ?

(क) परि + अरण (ख) पर + आवरण (ग) परि + आवरण (घ) पर्य + आवरण

2 : विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है ?

(ख) 10 जून (ख) 5 जून (ग) 8 जुलाई (घ) 11 सितम्बर

3 : निम्न में से कौन वायु प्रदूषण के अन्तर्गत आता है ?

(ग) धुआं (ख) घरेलू अपशिष्ट (ग) खरपतवार नाशक (घ) रासायनिक जल

4 : निम्न में से कौन रेडियोधर्मी प्रदूषण के स्रोत है?

(क) जेट विमान (ख) कीटनाशक (ग) रासायनिक उर्वरक

(घ) नाभकीय अस्त्रों का निर्माण व परीक्षण

5 : भारतीय संविधान के किस संसोधन में यह व्यवस्था की गई कि 'राज्य पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रयास करेगा।

(ख) 52 वें (ख) 53 वें (ग) 56 वें (घ) 59 वें

लघु उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 200 से 300 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. पर्यावरण के विभिन्न घटकों की व्याख्या कीजिए।

2. पर्यावरण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए शिक्षा के माध्यम से क्या उपाय किया जा सकता है ?

4. पर्यावरण जागरूकता के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते है ? स्पष्ट कीजिए।

5. पर्यावरण क्लब से आप क्या समझते हैं ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 800 से 1000 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. प्रदूषण का अर्थ एवं प्रकार विस्तार से बताइएं।

2. वनोंमूलन के प्रमुख कारण क्याहै? पर्यावरण पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

3. वर्तमान परिवेश में पर्यावरणीय शिक्षा कहाँ तक उपयोगी है? व्याख्या कीजिए।

4. पर्यावरण शिक्षा के पाठ्यक्रम में किन तथ्यों को सम्मिलित किया जा सकता हैं ? तथ्यों की व्याख्या कीजिए।

5. पर्यावरण जागरुकता में अध्यापक की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

बी.एड.- चतुर्थ सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 17

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 045

प्रश्न पत्र : जेंडर, विद्यालय और समाज

अंतिम तिथि : दिनांक **30 अप्रैल 2017** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सभी प्रश्नों, लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. निम्न में से कौन जेंडर निर्माण में सहायक नहीं है ?

(क) अभिभावक (ख) समुदाय (ग) समाज (घ) धर्म

2. "औरत जन्म नही लेती, बल्कि बना दी जाती है।" किसका कथन है ?

(क) सीमन द बुअर (ख) फायर स्टोन (ग) मारिस कानफोर्टा (घ) लिसे वोगेल

3. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कब मनाया जाता है ?

(क) 8 मार्च (ख) 11 मार्च (ग) 8 सितम्बर (घ) 12 जून

4. राष्ट्रीय महिला आयोग किस मंत्रालय द्वारा सहायता प्राप्त सांविधिक निकाय है ?

(क) विन्त मंत्रालय (ख) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

(ग) मानव विकास संसाधन मंत्रालय (घ) अल्पसंख्यक मंत्रालय

5. हंसा मेहता समिति का गठन कब हुआ ?

(क) 1958 (ख) 1962 (ग) 1966 (घ) 1986

लघु उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 200 से 300 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. जेंडर की पहचान किस आधार पर की जाती है ?
2. जेंडर रूढ़िवादिता को मिटाने के लिए कुछ सुझाव दीजिये।
3. प्राचीन काल में महिला शिक्षा की क्या स्थिति थी ?
4. दुर्गाबाई देशमुख समिति के सुझावों को बताइए।
5. जेंडर संवेदनशील पाठ्यचर्या के सफल संचालन हेतु शिक्षक की भूमिका स्पष्ट करें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(किन्हीं तीन प्रश्नों के 800 से 1000 शब्दों में उत्तर दीजिए) (अंक 02× 05=10)

1. समाजवादी नारीवाद की अवधारणा क्या है ? स्पष्ट करें।
2. आज के परिवेश में स्त्रियों की शिक्षा में व्याप्त असमानताओ का विश्लेषण कीजिए।
3. स्त्री शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में मीडिया तथा जनसंचार की भूमिकास्पष्ट करें।
4. जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए पाठ्य-पुस्तक का निर्माण किस प्रकार किया जाना चाहिए ?
5. रेडिकल नारीवादी (धुर नारीवादी) विचारधारा क्या है ? स्पष्ट करें।